सीबीएसई कक्षा-12 हिंदी कोर प्रश्न पत्र 2016

(सेट-4)

निर्धारित समय : 3 घंटे अधिकतम अंक: 100

सामान्य निर्देश:

* इस प्रश्न पत्र में **14** प्रश्न हैं |

* सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं |

* विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें |

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (1 × 5 = 5)

साकार दिव्य गौरव विराट, पौरुष के पुंजीभूत ज्वाल !
मेरी जननी के हिमाकिरिट, मेरे भारत के दिव्य भाल !
मेरे नगपति, मेरे विशाल !
युग-युग अजेय, निर्बंध, युक्त,
युग-युग गर्वोन्नत नित महान
निस्सीम व्योम में तान रहा
युग से किस महिमा का वितान !
ले अँगड़ाई, हिल उठे धरा
कर निज विराट स्वर में निनाद
तू शैलाराट् हुंकार भरे
फट जाए कुहा, भागे प्रमाद
तू मौन त्याग, कर सिंहानाद
रे तपी, आज तप का न काल
नव युग शंखध्वनि जगा रही
तू जग-जाग मेरे विशाल !

(क) 'मेरी जननी' से क्या तात्पर्य है ? उसका किरीट किसे माना है ?

उत्तर- भारत भूमि को | हिमालय को |

(ख) विशाल नगपति के लिए प्रयुक्त किन्हीं दो विशेषण को स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- अजेय – जिस जीता नही जा सकता | निर्बंध – जिस पर किसी का अंकुश नहीं | गर्वोन्नत – गर्व से माथा ऊँचा किए हुए |

(ग) हिमालय से अँगड़ाई लेने का अनुरोध क्यों किया जा रहा है ?
उत्तर- परिवर्तन के लिए | क्रांति कामना |

(घ) 'शैलाराट्' नाम की सार्थकता टिप्पणी कीजिए |
उत्तर- विशाल, ऊँचा, बड़ा, पर्वतों का राजा |

(ङ) काव्यांश का केंद्रीय भाव लिखिए |
उत्तर- शक्ति की पहचान कर उठ खड़ा होने की प्रेरणा | क्रांति का आह्वान |

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (15)
प्रसिद्ध दार्शनिक नीत्थे एक ऐसा देवता तलाश तलाश रहे थे जो मनुष्य की पहुँच में हों | उसी की तरह नाच-गा सके | जीवन से भरपूर हो | हँसे-रोए, काम करे-कराए बिलकुल आदमी की तरह | नीत्थे को ऐसा देवता नहीं मिला तो उसने कह दिया, "ईश्वर मर गया है |"लगता है कि नीत्थे को कृष्ण की जानकारी नहीं थी | वे नाचते-गाते हैं, काम करते हैं और योगी भी हैं – कर्मयोगी | काम करो, बाकी सब भूल जाओ – यह है उनका अनासक्त कर्म | यहाँ तक कि काम के फल की भी इच्छा मत करो, - कर्मण्येवाधिकारस्ते | अजीब विरोधाभास है ! काम करने का निराला ढंग है कि काम तो पूरे मन से करो, ईश्वर का आदेश समझकर करो पर उससे परे भी रहो ! काम पूरा होते ही अनासक्त जाओ | यों कृष्ण जो भी करते हैं उसमें गजब की आसक्ति दिखाई देती है - चाहे ग्वाले का काम हो, रसिक बिहारी का हो, सारथि का हो, उपदेष्टा या मार्गदर्शक का – वे पूरे मनोयोग से अपनी भूमिका निभाते दिखाई पड़ते हैं और अगले ही क्षण उससे अलग; जैसे कमल-पत्ते पर पड़ा पानी | जीवन का प्रत्येक पल पूरेपन से जीना और चिपकाना नहीं | यहीं अनासक्ति है | उनमें कहीं अधूरापन दिखाई ही नहीं देता | पीछे मुड़ने का उन्हें अवकाश ही नहीं है | यह कृष्ण जैसा कर्मयोगी ही कर सकता है | वे विश्वरूप हैं परंतु अहंकार का कहीं नाम तक नहीं | गाय चराने या रथ हाँकने का काम करने में भी उन्हें कोई हिचक नहीं |
(क) नीत्थे कौन थे ? वे क्या तलाश रहे थे ? (2)
उत्तर- प्रसिद्ध दार्शनिक | ऐसे देवता की तलाश, जो मनुष्य की पहुँच में हो |

(ख) 'ईश्वर मर गया है' – नित्थे ने यह क्यों कहा होगा ? (2)
उत्तर- मनुष्य की भाँति कार्यकलाप करता हुआ | जीवन रस से भरपूर ईश्वर नहीं मिला |

(ग) कृष्ण के व्यक्तित्व में क्यों 'विरोधाभास' लगता है ? (2)
उत्तर- कृष्ण के कर्मों से आसक्ति एवं अनासक्ति दोनों का एक साथ प्रस्तुत होना | नाचते-गाते भी हैं और योगी भी

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए 'कर्मण्येवाधिकारस्ते . . .' (2)
उत्तर- कर्म करो | फल की इच्छा मत करो |

(ङ) कृष्ण की किन विविध भूमिकाओं का उल्लेख है ? (2)
उत्तर- गोपालक, रसिक बिहारी, सारथी, उपदेशक, मार्गदर्शक |

(च) कृष्ण के लिए 'कमल-पत्ते पर पड़ा पानी' क्यों कहा गया है ? (2)

उत्तर- कार्य से जुड़ने भी हैं और अलग भी | कमल के पत्ते पर पड़ा पानी उस पर रह कर भी अलग होता है |

(छ) कृष्ण के व्यक्तित्व से हम क्या सिख सकते हैं ? दो बातों का उल्लेख कीजिए | (2)
उत्तर- प्रत्येक भूमिका में अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना | कर्म करना परंतु फल की इच्छा न करना | अनासक्त योगी | अहंकार रहित जीवन |

(ज) गद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक दीजिए | (1)
उत्तर- आदमी जैसा देवता या कर्मयोगी कृष्ण |

खंड –'ख'

3. किसी आपराधिक घटना कि अपनी सनसनीखेज पड़ताल से कुछ समाचार चैनल जाँच में बाधा डालते हैं और न्यायालयों में मामला पहुँचने से पहले ही आरोपी को अपराधी ठहरा देते हैं | इस प्रवृत्ति पर अपने विचार किसी समाचार-पत्र के संपादक को लिखिए | (5)
अथवा
आपके विद्यालय में फ़र्नीचर की आपूर्ति के लिए 'काष्ठागार', आमेर सरणि, जयपुर को आदेश दिया गया था किंतु उन्होंने संविदा में उल्लिखित समझौते के अनुसार आपूर्ति नहीं कि | संस्था के प्रबंधक को पत्र लिखकर उल्लंघनों का बिंदुवार उल्लेख करते हुए प्राचार्य की ओर से शिकायती पत्र लिखिए |
उत्तर- पत्र-लेखन :
* आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ
* प्रभावी विषय-वस्तु
* भाषा की शुद्धता, प्रवाह एवं लेखन

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर एक निबंध लिखिए : (5)
(क) नारी सशक्तीकरण
(ख) हिंदी का महत्त्व
(ग) किसान समस्या
(घ) लोकतंत्र और चुनाव
उत्तर- किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित
* भूमिका एवं उपसंहार
* विषय-वस्तु (किन्ही तीन बिंदुओं का विवेचन)
* भाषा की शुद्धता एवं प्रस्तुति

5. 'कन्या भ्रूण हत्या की समस्या' अथवा 'जन धन योजना' विषय पर एक आलेख लिखिए | (5)
उत्तर- किसी एक विषय पर आलेख लेखन –

विषय – वस्तु

प्रभावी प्रस्तुति

भाषा की शुद्धता

6. निम्नलिखित प्रश्नों के सक्षिप्त उत्तर दीजिए: (1 × 5 = 5)

(क) प्रिंट माध्यम की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए |

उत्तर- स्थायित्व | पढ़ने के साथ चिंतन-मनन | बार-बार पढ़ने की सुविधा

(ख) स्पष्ट कीजिए कि संपादकीय के साथ उसके लेखक पत्रकार का नाम क्यों नहीं दिया जाता ?

उत्तर- संपादकीय लेख संपादक की व्यक्तिगत राय नहीं | सूचनाओं की निरपेक्ष / तटस्थ प्रस्तुति |

(ग) बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में अंतर स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- बीट रिपोर्टिंग - संवाददाता की उस क्षेत्र में जानकारी एवं दिलचस्पी होना | अपनी बीट से जुड़ी सामान्य खबरों का लेखन |

विशेषीकृत रिपोर्टिंग – विशेष क्षेत्र से जुड़ी खबरों का बारीकी से विश्लेषण ओअर पाठकों के लिए स्पष्टीकरण की कोशिश |

(घ) समाचार के 'इंट्रो' और 'बॉडी' से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर- इंट्रो – मूल/मुख्य खबर |

बॉडी – खबर का विस्तार

(ङ) वॉचडॉग पत्रकारिता का आशय बताइए |

उत्तर- सरकार के कामकाज पर निगाह रखना तथा गड़बड़ियों का पर्दाफाश करना |

7. 'मोर्चे पर सैनिक के साथ एक दिन' अथवा 'भूकंप क्षेत्र से' विषय पर मुद्रण माध्यम के लिए एक फ़ीचर का आलेख लिखिए | (5)

उत्तर- किसी एक विषय पर फ़ीचर लेखन –

विषय – वस्तु

प्रभावी प्रस्तुति

भाषा की शुद्धता

खंड – 'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिखिए : (2 × 3 = 6)

गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब

यह विचार वैभव सब

दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह, अभिनव सब

मौलिक है, मौलिक है |

(क) 'गरीबी' के लिए प्रयुक्त विशेषण का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- गरीब का स्वाभिमान /आत्मसम्मान बना रहे | व उसे किसी के सामने सिर न झुकाना पड़े |

(ख) 'भीतर की सरिता' क्या है ? वह अभिनव क्यों है ?

उत्तर- भावनाओं का सहज उद्रेक | मौलिकता के कारण अभिनव |

(ग) काव्यांश के भाषा-सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए |

उत्तर- * मुक्त छंद |

* प्रवाहमयी व सहज भाषा |

* प्रतीकात्मक |

अथवा

सवेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नई साइकिल तेज़ चलाते हुए

(क) सवेरे की तुलना किससे की गई है ? क्यों ?

उत्तर- खरगोश की आँखों से | क्योंकि उसकी आँखों कि लालिमा और चमक के कारण |

(ख) काव्यांश के प्रतीकों को समझाइए |

उत्तर- लाल सवेरा – सूर्योदय |

पुल – मौसमों को जोड़ने का |

नई साइकिल – मौसम की नवीनता |

(ग) मानवीकरण अलंकार का उदाहरण चुनकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- मानवीकरण अलंकार –'शरद आया ....चलाते हुए |'

विभिन्न मौसमों को पार करके आते हुए शरद का सुंदर चित्रण |

शरद की भोर को मानवीय व्यवहार की तरह प्रकट किया गया है |

9. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (3 + 3 = 6)

(क) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' में पक्षी तो लौटने को विकल हैं, पर कवि में उत्साह नहीं है | ऐसा क्यों ?

उत्तर- • पक्षियों को बच्चों से मिलने की उत्सुकता |

• कवि के लिए बच्चों से मिलने की उत्सुकता |

• कोई प्रेरणा न होने के कारण चाल में सुस्ती और मन में विह्वलता |

(ख) 'कैमरे में बंद अपाहिज' में निहित क्रूरता को उजागर कीजिए |

उत्तर- • शारीरिक चुनौती को झेलते हुए व्यक्ति के प्रति संवेदनहीन |

• अपाहिज व्यक्ति से बार-बार उसकी कमजोरियों / चुनौतियों के विषय में चुभने वाले प्रश्न पूछना |

• संवेदना का उत्पाद के रूप में बाज़ारीकरण |

(ग) 'बादल राग' के आधार पर धनी शोषकों की जीवन शैली पर टिप्पणी कीजिए | वे क्यों त्रस्त हैं ?

उत्तर- • धनी व्यक्ति को आम आदमी के सुख-दुख से कोई सरोकार नहीं |

• बड़े-बड़े भवनों में सुविधा-संपन्न जीवन जीना |

• अपनी स्वार्थपूर्ति हेतु निम्न वर्ग का शोषण करना |

• संभावित क्रांति के कारण अस्तित्व संकट में |

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिखिए : (2 × 4 = 8)

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने

कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने

बाहर भीतर

इस घर, उस घर

कविता के पंख लगा उड़ने के माने

चिड़िया क्या जाने ?

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने

कविता का खिलना भला फूल क्या जाने

(क) कविता की तुलना चिड़िया से क्यों की गई है ?

उत्तर- चिड़िया की उड़ान को कविता की उड़ान से जोड़ना बंधनहीन और कल्पना का असीम विस्तार |

(ख) चिड़िया कविता की उड़ान को क्यों नहीं समझ सकती ?

उत्तर- चिड़िया के उड़ने की एक सीमा है जबकि कविता की उड़ान देश, काल और परिस्थिति से बाहर संभव |

(ग) कविता के खिलने और फूलों के खिलने में क्या साम्य-वैषम्य है ?

उत्तर- साम्य – कविता के सृजन एवं फूलों के खिलने से प्रसन्न होना |

वातावरण का मोहक एवं आकर्षक होना |

वैषम्य – फूल के खिलने के साथ-साथ उसकी परिणति निश्चित है जबकि कविता कालातीत होता है |

(घ) काव्यांश के आधार पर कविता के दो लक्षणों को स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- कविता असीम होती है | इसका प्रभाव दीर्घकालिक होता है |

अथवा

जथा पंख बिनु खग अति दीना |

मनि बिनु फनि करिबर कर हिना ||

एस मम जिवन बंधु बिनु तोही |

जौं जड़ दैव जिआवै मोही ||

जैहऊँ अवध कवन मुहु लाई |

नारि हेतु प्रिय भाइ गँवाई ||
बरु अपजस सहतेउँ जग माहीं |
नारि हानि बिसेष छति नाहीं ||

(क) यह किसका प्रलाप है और क्यों किया जा रहा है ?
उत्तर- राम का | लक्ष्मण की मूर्छा से व्यथित होने के कारण |

(ख) 'फणी' और 'करिबर' से तुलना का औचित्य बताइए |
उत्तर- मणि के बिना जो स्थिति साँप की तथा सूँड के बिना जो स्थिति हाथी की होती है वही दयनीय स्थिति हाथी की होती है वही दयनीय स्थिति लक्ष्मण के बिना राम की भी है |

(ग) अवध लौटने में किस प्रकार का संकोच बताया गया है ?
उत्तर- पत्नी के लिए भाई को खो देने की बात तथा बदनामी का डर |

(घ) काव्यांश के आधार पर नारी के प्रति तुलसी के दृष्टिकोण पर टिप्पणी कीजिए |
उत्तर- लोकमत के अनुसार तुलसी ने नारी के महत्त्व को पुरुष से कम माना है, क्योंकि वे कहते हैं – 'नारि हानि विसेष छति नाही' |

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2 × 4 = 8)
भारतीय परंपरा में व्यक्ति के अपने पर हँसने, स्वयं को जानते-बुझते हास्यपद बना डालने की परंपरा नहीं के बराबर है | गाँवों या लोक संस्कृति में तब भी वह शायद हो, नागर-सभ्यता में तो वह थी ही नहीं | चैप्लिन का भारत में महत्त्व यह है कि वह 'अंग्रेज़ों जैसे' व्यक्तियों पर हँसने का अवसर देते हैं | चार्ली स्वयं पर सबसे ज्यादा तब हँसता है जब वह स्वयं को गर्वोन्मत्त,आत्मविश्वास से लबरेज़, सफलता, सभ्यता, संस्कृति तथा समृद्धि की प्रतिमूर्ति, दूसरों से ज्यादा शक्तिशाली तथा श्रेष्ठ अपने 'वज्रादपि कठोराणि' अथवा 'मृदूनि कुसुमादपि'क्षण में दिखलाता है |
(क) अनुच्छेद में किसकी चर्चा है ? वह क्यों प्रसिद्ध है ?
उत्तर- चार्ली चैप्लिन की | अपने को उपहास का पात्र बनाकर दूसरों को हँसाने की कला के कारण |

(ख) "अपने आप को जानते-बुझते हास्यपद बना डालने की परंपरा नहीं के बराबर है |" – इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए |
उत्तर- भारतीय परंपरा में नायक के स्वयं पर हँसने का कोई उदाहरण नहीं के बराबर |
हास्य उत्पन्न करने के लिए नायक से भिन्न अन्य पात्र की आवश्यकता |

(ग) "अंग्रेज़ों जैसे" कहने का क्या आशय है ? स्पष्ट कीजिए |
उत्तर- • अंग्रेज सत्ता / शासक के प्रतीक |
• अंग्रेजियत से प्रभावित लोग |
• ऐसे वर्ग पर भी हँसा जा सकता है – यह भाव |

(घ) चार्ली अपने पर कब हँसता है ?
उत्तर- • जब वह स्वयं को गर्वोन्मत्त,

• आत्मविश्वास से लबरेज,

• अधिक शक्तिशाली,

• दूसरों से अधिक श्रेष्ठ आदि स्थितियों में प्रस्तुत करता है |

अथवा

हम आज देश के लिए करते क्या हैं ? माँगे हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं, पर त्याग का कहीं नाम-निशाँ नहीं है | अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है | हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते है, पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर, अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं ? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं ? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?

(क) लेखक को क्यों लगता है कि आज हम देश के लिए कुछ नहीं करते ?

उत्तर- • समाज में स्वार्थपरता की अधिकता |

• त्याग, समर्पण, सहानुभूति जैसे मूल्यों का अभाव |

(ख) भ्रष्टचार को लेकर हमारे व्यवहार में क्या विसंगति है ?

उत्तर- •कथनी और करनी में अंतर

• चर्चा अधिक और उसका क्रियान्वयन कम

(ग) सुविधाओं की बरसात से भी गरीब को कोई लाभ नहीं मिलता, इस बात को लेखक ने कैसे कहा है ? स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- • गरीबों के हितों के लिए अनेक योजनाएँ बनती हैं |

• भ्रष्ट व्यवस्था के कारण गरीबों को लाभ नहीं |

• प्रतिकात्मक भाषा में – मेघ दल का उमड़ना एवं बरसना, किंतु गगरी तक लाभ नहीं |

(घ) 'आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?' इस प्रश्न का आप क्या उत्तर देंगे ? तर्क सहित समझाइए |

उत्तर- भ्रष्टाचार जब कम हो जाएगा तो यह स्थिति भी सुधर जाएगी | तथा भ्रष्ट लोगों को सुधारने के लिए कड़े कानून लाने की आवश्यकता है |

12. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (3 × 4 =12)

(क) 'भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा' – महादेव के इस कथन की समीक्षा कीजिए |

उत्तर- • उसमें अनेक दुगुर्णो का मौजूद होना |

• वह सत्य के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध नहीं |

• परिस्थिति के अनुरूप अपने निर्णयों को रूप देना |

(ख) बाज़ारके बाज़ारूपन में 'पर्चेजिंग पावर' की भूमिका को स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- • 'पर्चेजिंग पावर' व्यक्ति को अहंकारी बनाता है |

• आवश्यकता से अधिक खरीदने एवं संचयन करने के लिए प्रेरित करता है |

• इसके कारण समाज में कपट बढ़ता है और सद्भाव की कमी होती है |

(ग) 'नमक' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- • धर्म-मज़हब व नई सरहदों में विभाजित लोगों का अपनी जन्म-स्थली के प्रति गहरा लगाव |

• पुराना पीढ़ी के द्वारा वैषम्य के धीरे-धीरे ठीक होने की उम्मीद |

• नई पीढ़ी के द्वारा उम्मीद कायम रखे जाने की संभावना |

(घ) शिरीष को 'कालजयी अवधूत' क्यों कहा गया है ?

उत्तर- • प्रकृति की सर्वथा विपरीत परिस्थितियों में भी अपने अस्तित्व को बनाए रखना |

• जीवन की अजेयता के मंत्र का संदेश |

• सुख-दुख में समान भाव |

(ङ) 'काले मेघा पानी दे' में लेखक के वैज्ञानिक तर्क और उसकी जीजी के पारंपरिक तर्क की समीक्षा कीजिए |

उत्तर- • लेखक पानी के अभाव की दशा में पानी फेंक जाने को बर्बादी मानता है |

• लेखक इसे अंधविश्वास, पांखड पिछड़ेपन और गुलामी का कारण मानता है |

• जीजी के लिए कुछ पाने के लिए त्याग अनिवार्य है, इसलिए पानी फेंकना बरबादी नहीं |

13. 'डायरी के पन्ने' के आधार पर ऐन फ्रैंक जीवन से प्राप्त होने वाले जीवन मूल्यों की चर्चा कीजिए | (5)

उत्तर- • संवेदनाशीलता |

• साहसी |

• परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की क्षमता |

• समाज के प्रति उत्तरादायित्व का बोध |

14. यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की तीन प्रमुख विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए |

उत्तर- • प्रदर्शन और भीड़भाड़ से अलग रहने का स्वभाव |

• सामजिक परंपराओं के निर्वाह के प्रति प्रत्यनशील |

• संस्कारों से बँधे और आधुनिकता के नाम पर उच्छृंखलता का समर्थन नहीं |

(ख) 'जूझ' कहानी के आधार पर लेखक के जीवन संघर्ष को संक्षेप में वर्णित कीजिए | (5)

उत्तर- • जूझ अर्थात संघर्ष |

• जीवन में प्रत्येक उपलब्धि जूझने के बाद मिली |

• पाठशाला जाने का संघर्ष |

• पिता द्वारा खतों आदि के काम में झोंक दिए जाने पर अध्ययन करने हेतु संघर्ष |

• कविता लेखन सीखने का संघर्ष |

• कक्षा में छात्रों के साथ सामंजस्य बिठाने का संघर्ष |